जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध भारत का संघर्ष संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में जोड़ेगा: लोक सभा अध्यक्ष

...

हरित रणनीतिक साझेदारी ने भारत और डेनमार्क के बीच समन्वय को बेहतर बनाया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

डेनिश पार्लियामेंटरी कमिटी फॉर यूरोपियन अफेयर्स ने लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात की

...

नई दिल्ली; 18 अप्रैल, 2023: डेनिश पार्लियामेंटरी कमिटी फॉर यूरोपियन अफेयर्स के अध्यक्ष श्री नील्स फ्लेमिंग हैनसम के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने आज संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है और डेनमार्क की तरह भारत भी एक जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र है। यह विचार व्यक्त करते हुए कि दोनों देश शांति, लोकतंत्र और मानवाधिकारों का समर्थन करते हैं, श्री बिरला ने भारत और डेनमार्क के बीच नियमित संसदीय आदान-प्रदान पर जोर दिया। श्री बिरला ने सुझाव दिया कि भारत और डेनमार्क के बीच चर्चा-संवाद की एक नियमित प्रक्रिया विकसित हो ताकि हम एक दूसरे के लोकतंत्र से सीख सकें और अपनी बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा कर सकें। इस संदर्भ में श्री बिरला ने 2021 में डेनमार्क के प्रधानमंत्री के भारत दौरे और पिछले वर्ष भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डेनमार्क दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह के उच्च स्तरीय दौरों से दोनों देशों के बीच संबंध और सुदृढ़ हुए हैं और संबंधों को नई ऊर्जा मिली है।

सितंबर 2020 में भारत और डेनमार्क के बीच शुरु हुई हरित रणनीतिक साझेदारी का जिक्र करते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस साझेदारी ने दोनों देशों के बीच समन्वय बेहतर बनाया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में इस साझेदारी से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में बढ़ोत्तरी होगी। उन्होंने कहा कि आज जब भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा

संबंधी मुद्दों, व्यापारिक एवं आर्थिक संबंधों, शोध एवं नवाचार और दोनों देशों के लोगों के बीच सुदृढ़ संपर्क जैसे परस्पर हित के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी और सहयोग की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

श्री बिरला ने बताया कि भारत ने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के आदर्श वाक्य के साथ जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध भारत का संघर्ष विश्व को एक परिवार के रूप मे जोड़ेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि डेनमार्क और भारत की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर एक सुदृढ़ साझेदारी को बल देगी।

श्री बिरला ने डेनिश डेलीगेशन को सूचित किया कि भारत जी 20 शिखर सम्मेलन के अंतर्गत निकट भविष्य में पी 20 सम्मेलन का भी आयोजन करेगा जिसमें जी 20 राष्ट्रों के अतिरिक्त आमंत्रित राष्ट्रों के पीठासीन अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन दौरान संसदीय शासन व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर उद्देश्यपरक संवाद होगा जिससे संपूर्ण विश्व का कल्याण होगा।